PREPARED BY: MR. MEGHRAJ MEENA,PGT HINDI

CLASS 9 HINDI-A ALL CHAPTER LESSON PLAN

1. दो बैलों की कथा

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – पशु पात्रों के माध्यम से मानवीय संवेदनाएँ

Concept 2: स्वयं – ग्रामीण जीवन का यथार्थ चित्रण

Concept 3: स्वयं – त्याग, मित्रता और संघर्ष की भावना

Name of chapter: दो बैलों की कथा

Number of periods required: 2

Concepts

- पशु पात्रों के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का सुंदर चित्रण किया गया है।
- ग्रामीण जीवन, उसकी कठिनाइयों और आपसी संबंधों का यथार्थ रूप दिखाया गया है।
- मित्रता, त्याग और संघर्ष की भावना को कहानी के माध्यम से उजागर किया गया है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कहानी की मुख्य घटनाओं और पात्रों का विश्लेषण कर सकेंगे।

- ग्रामीण जीवन और पशु-पात्रों के माध्यम से सामाजिक संदेश समझ पाएंगे।
- कहानी के भावार्थ को अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- संवाद, वर्णन और कथानक की शैली को समझ पाएंगे।
- कहानी से जुड़े नैतिक मूल्यों की पहचान कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कहानी का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- समूह में चर्चा: मित्रता और संघर्ष के उदाहरण।
- पात्रों की भूमिका निभाना (रोल-प्ले)।
- कहानी से संबंधित प्रश्नोत्तर।
- पोस्टर/चित्र बनाना: ग्रामीण जीवन का दृश्य।

Integration with other subjects

- **सामाजिक विज्ञान:** ग्रामीण जीवन का अध्ययन।
- **कला:** कहानी पर चित्रांकन या पोस्टर बनाना।
- **नैतिक शिक्षा:** मित्रता और त्याग के उदाहरण।
- **विज्ञान:** पशुओं के व्यवहार का अध्ययन।
- **भाषा:** संवाद और वर्णन की शैली।

Assessment (item format)

- कहानी की घटनाओं का क्रम लिखें।
- मुख्य पात्रों का चरित्र-चित्रण करें।
- कहानी का सारांश लिखें।
- कहानी से जुड़े मूल्य आधारित प्रश्न।

- कहानी के संवादों का भावार्थ स्पष्ट करें।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- कहानी का ऑडियो/वीडियो।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- रोल-प्ले के लिए प्रॉप्स।
- वर्कशीट्स और क्विज़।

Extension/real life applications

- मित्रता और सहयोग की भावना को जीवन में अपनाना।
- पशुओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- ग्रामीण जीवन की कठिनाइयों को समझना।
- संघर्ष के समय धैर्य और साहस रखना।
- समाज में सहयोग और त्याग का महत्व समझना।

21st century skills, value education, vocational skills

- संवाद कौशल और टीम वर्क का विकास।
- समस्या समाधान की क्षमता।
- नैतिक मूल्यों का विकास।
- रचनात्मकता और कल्पनाशीलता।
- सहिष्णुता और सहानुभूति।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने कहानी के भाव को समझा।

- कौन से बिंदु विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- कहानी की घटनाओं का क्रम समझाना।
- संवादों का भावार्थ स्पष्ट करना।
- नैतिक मूल्यों को जीवन से जोड़ना।

Number of periods: 2

2. साखियाँ एवं सबद

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – कबीर के दोहों का अर्थ

Concept 2: स्वयं – जीवन के व्यवहारिक संदेश

Concept 3: स्वयं – भाषा की सरलता और गहराई

Name of chapter: साखियाँ एवं सबद

Number of periods required: 1

Concepts

- कबीर के दोहों में जीवन के गूढ़ और व्यवहारिक संदेश छिपे हैं।
- भाषा की सरलता में गहरी बातों को व्यक्त किया गया है।
- समाज में व्याप्त कुरीतियों पर व्यंग्यात्मक दृष्टि डाली गई है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी दोहों का भावार्थ समझ सकेंगे।

- कबीर के विचारों को अपने जीवन से जोड़ पाएंगे।
- दोहों की भाषा और शैली को समझ सकेंगे।
- समाज में व्याप्त बुराइयों की पहचान कर सकेंगे।
- जीवन में सादगी और सत्यता का महत्व समझेंगे।

Pedagogical strategies

- दोहों का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- समूह में दोहों की व्याख्या।
- दोहों पर आधारित प्रश्नोत्तर।
- पोस्टर बनाना: दोहों के संदेश पर।
- संवाद/रोल-प्ले: दोहों के भावों को अभिनय द्वारा प्रस्तुत करना।

Integration with other subjects

- **नैतिक शिक्षा:** जीवन के व्यवहारिक संदेश।
- **कला:** दोहों पर आधारित चित्र बनाना।
- **समाजशास्त्र:** समाज में व्याप्त कुरीतियाँ।
- **भाषा:** दोहों की शैली और भाषा।
- **इतिहास:** कबीर का समय और सामाजिक परिवेश।

Assessment (item format)

- दोहों का भावार्थ लिखें।
- कबीर के विचारों का सारांश।
- दोहों के आधार पर प्रश्नोत्तर।
- दोहों की भाषा की विशेषता।

- दोहों का जीवन में प्रयोग।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- दोहों का ऑडियो/वीडियो।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- माइंड मैप्स।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- जीवन में सादगी और सत्यता को अपनाना।
- समाज में व्याप्त बुराइयों का विरोध।
- व्यवहारिक ज्ञान का प्रयोग।
- नैतिकता और ईमानदारी का महत्व।
- कबीर के विचारों को जीवन में उतारना।

21st century skills, value education, vocational skills

- आलोचनात्मक सोच का विकास।
- नैतिक मूल्यों की समझ।
- संवाद और प्रस्तुति कौशल।
- टीम वर्क और सहयोग।
- रचनात्मकता का विकास।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने दोहों का भावार्थ समझा।

- कौन से दोहे विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- कठिन शब्दों का अर्थ समझाना।
- दोहों का भावार्थ विस्तार से समझाना।
- दोहों के संदेश को उदाहरणों से जोड़ना।

Number of periods: 1

3. अपठित गद्यांश

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – गद्यांश की समझ

Concept 2: स्वयं – त्वरित उत्तर देने की क्षमता

Concept 3: स्वयं – मुख्य विचारों की पहचान

Name of chapter: अपठित गद्यांश

Number of periods required: 1

Concepts

- गद्यांश को पढ़कर मुख्य विचारों की पहचान करना।
- त्वरित और सटीक उत्तर देना सीखना।
- भाषा की समझ और विश्लेषण क्षमता का विकास।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी अपठित गद्यांश को समझ सकेंगे।

- गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- मुख्य विचार और भाव को पहचान सकेंगे।
- तर्क और विश्लेषण क्षमता का विकास होगा।
- भाषा की समझ और पढ़ने की गति बढ़ेगी।

Pedagogical strategies

- गद्यांश का सामूहिक वाचन।
- प्रश्नोत्तर सत्र: गद्यांश पर आधारित।
- मुख्य विचारों की पहचान के लिए चर्चा।
- शब्दार्थ समझाना।
- त्वरित उत्तर देने का अभ्यास।

Integration with other subjects

- **अंग्रेजी:** अपठित गद्यांश की समानता।
- **समाजशास्त्र:** सामाजिक विषयों पर गद्यांश।
- **विज्ञान:** विज्ञान से संबंधित गद्यांश।
- **भाषा:** शब्दार्थ और वाक्य संरचना।
- **कला:** गद्यांश पर आधारित चित्र बनाना।

Assessment (item format)

- गद्यांश से प्रश्नोत्तर।
- मुख्य विचार लिखना।
- शब्दार्थ लिखना।
- गद्यांश का सारांश।

- त्वरित उत्तर देना।

Resources /digital/ physical

- विभिन्न गद्यांशों की प्रतियां।
- वर्कशीट्स।
- ऑडियो/वीडियो गद्यांश।
- शब्दकोश।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।

Extension/real life applications

- समाचार पत्रों के लेख पढ़ना और समझना।
- त्वरित उत्तर देने की क्षमता का विकास।
- मुख्य विचारों की पहचान करना।
- भाषा की समझ बढ़ाना।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी।

21st century skills, value education, vocational skills

- तर्कशक्ति और विश्लेषण क्षमता।
- समस्या समाधान कौशल।
- संवाद और प्रस्तुति कौशल।
- रचनात्मकता।
- समय प्रबंधन।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने गद्यांश को सही समझा।

- कौन से प्रश्न विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- गद्यांश का पुनः वाचन।
- मुख्य विचारों की पहचान कराना।
- शब्दार्थ और प्रश्नोत्तर का अभ्यास कराना।

Number of periods: 1

4. उपसर्ग, प्रत्यय

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – उपसर्ग की परिभाषा और प्रकार

Concept 2: स्वयं – प्रत्यय की परिभाषा और प्रकार

Concept 3: स्वयं – उपसर्ग-प्रत्यय से शब्द निर्माण

Name of chapter: उपसर्ग, प्रत्यय

Number of periods required: 2

Concepts

- उपसर्ग और प्रत्यय की परिभाषा और प्रकार को समझना।
- उपसर्ग-प्रत्यय के प्रयोग से नए शब्दों का निर्माण।
- व्याकरण में उपसर्ग-प्रत्यय का महत्व जानना।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी उपसर्ग और प्रत्यय की पहचान कर सकेंगे।

- उपसर्ग-प्रत्यय से शब्द निर्माण करना सीखेंगे।
- व्याकरण की समझ और भाषा कौशल में वृद्धि होगी।
- वाक्य में उपसर्ग-प्रत्यय का सही प्रयोग कर सकेंगे।
- शब्दकोश उपयोग की क्षमता बढ़ेगी।

Pedagogical strategies

- उपसर्ग-प्रत्यय की परिभाषा और उदाहरण देना।
- शब्द निर्माण की गतिविधि कराना।
- समूह में अभ्यास कार्य।
- वर्कशीट्स पर प्रश्न।
- शब्दों का वर्गीकरण कराना।

Integration with other subjects

- **अंग्रेजी:** Prefixes और Suffixes की तुलना।
- **संस्कृत:** उपसर्ग-प्रत्यय का अध्ययन।
- **कला:** शब्दों पर पोस्टर बनाना।
- **विज्ञान:** वैज्ञानिक शब्दों में उपसर्ग-प्रत्यय।
- **गणित:** गणितीय शब्दों में उपसर्ग-प्रत्यय।

Assessment (item format)

- उपसर्ग-प्रत्यय की परिभाषा लिखना।
- दिए गए शब्दों में उपसर्ग-प्रत्यय पहचानना।
- नए शब्द बनाना।
- वाक्य में प्रयोग करना।

- शब्दों का वर्गीकरण करना।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- वर्कशीट्स।
- शब्दकोश।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- ऑडियो/वीडियो सामग्री।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में नए शब्दों की पहचान।
- शब्दकोश का प्रयोग।
- अन्य भाषाओं में उपसर्ग-प्रत्यय की तुलना।
- भाषा कौशल में वृद्धि।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी।

21st century skills, value education, vocational skills

- भाषा कौशल का विकास।
- समस्या समाधान।
- रचनात्मकता।
- टीम वर्क।
- संवाद कौशल।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने उपसर्ग-प्रत्यय को सही पहचाना।

- किन शब्दों में भ्रम हुआ।

Planning for remedial teaching

- उपसर्ग-प्रत्यय का पुनः अभ्यास।
- उदाहरणों के साथ समझाना।
- शब्द निर्माण की गतिविधि कराना।

Number of periods: 2

5. ल्हासा की ओर

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – यात्रा वृत्तांत का स्वरूप

Concept 2: स्वयं – सांस्कृतिक विविधता का अनुभव

Concept 3: स्वयं – साहस और जिज्ञासा की भावना

Name of chapter: ल्हासा की ओर

Number of periods required: 2

Concepts

- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से लेखक के अनुभवों का वर्णन।
- सांस्कृतिक विविधता और भौगोलिक विशेषताओं की जानकारी।
- साहस, जिज्ञासा और सीखने की भावना का विकास।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत की शैली को समझेंगे।

- सांस्कृतिक विविधता और भौगोलिक विशेषताओं की जानकारी पाएंगे।
- साहस और जिज्ञासा के महत्व को समझेंगे।
- यात्रा के अनुभवों को अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- यात्रा वृत्तांत से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।

Pedagogical strategies

- यात्रा वृत्तांत का वाचन और चर्चा।
- समूह में अनुभव साझा करना।
- यात्रा से जुड़े चित्र/वीडियो दिखाना।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- यात्रा वृत्तांत पर लघु लेखन।

Integration with other subjects

- **भूगोल:** स्थानों की भौगोलिक स्थिति।
- **इतिहास:** सांस्कृतिक विविधता।
- **कला:** यात्रा के दृश्य चित्रित करना।
- **अंग्रेजी:** ट्रैवलॉग लेखन।
- **विज्ञान:** यात्रा में पर्यावरण का महत्व।

Assessment (item format)

- यात्रा वृत्तांत का सारांश लिखना।
- सांस्कृतिक विविधता पर प्रश्न।
- यात्रा के अनुभव साझा करना।
- यात्रा वृत्तांत की शैली की पहचान।

- यात्रा से जुड़े चित्र बनाना।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- यात्रा से जुड़े चित्र/वीडियो।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- वर्कशीट्स।
- ऑडियो/वीडियो सामग्री।

Extension/real life applications

- यात्रा के अनुभवों को साझा करना।
- सांस्कृतिक विविधता का सम्मान।
- साहस और जिज्ञासा को जीवन में अपनाना।
- यात्रा वृत्तांत लिखना।
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता।

21st century skills, value education, vocational skills

- संवाद कौशल।
- रचनात्मक लेखन।
- टीम वर्क।
- सांस्कृतिक समझ।
- समस्या समाधान।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने यात्रा वृत्तांत की शैली समझी।

- सांस्कृतिक विविधता की जानकारी कितनी मिली।

Planning for remedial teaching

- यात्रा वृत्तांत का पुनः वाचन।
- अनुभव साझा करने की गतिविधि।
- शैली की विशेषता समझाना।

Number of periods: 2

6. अपठित पद्यांश

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – पद्यांश की समझ

Concept 2: स्वयं – भावार्थ लिखने की क्षमता

Concept 3: स्वयं – कविता के मुख्य विचार

Name of chapter: अपठित पद्यांश

Number of periods required: 1

Concepts

- पद्यांश को पढ़कर भावार्थ समझना।
- कविता के मुख्य विचारों की पहचान करना।
- भाषा की सुंदरता और भाव की गहराई को समझना।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी अपठित पद्यांश का भावार्थ लिख सकेंगे।

- कविता के मुख्य विचार पहचान सकेंगे।
- पद्यांश से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- कविता की भाषा और शैली समझ सकेंगे।
- त्वरित उत्तर देने की क्षमता विकसित होगी।

Pedagogical strategies

- पद्यांश का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- मुख्य विचारों की पहचान।
- शब्दार्थ समझाना।
- त्वरित उत्तर देने का अभ्यास।

Integration with other subjects

- **अंग्रेजी:** अनसीन पोएट्री का अभ्यास।
- **कला:** कविता पर चित्र बनाना।
- **संगीत:** कविता का गायन।
- **भाषा:** कविता की भाषा शैली।
- **नाटक:** कविता के भावों का अभिनय।

Assessment (item format)

- पद्यांश का भावार्थ लिखना।
- मुख्य विचार पहचानना।
- पद्यांश से प्रश्नोत्तर।
- शब्दार्थ लिखना।

- कविता का सारांश।

Resources /digital/ physical

- विभिन्न पद्यांशों की प्रतियां।
- वर्कशीट्स।
- ऑडियो/वीडियो कविता।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- शब्दकोश।

Extension/real life applications

- कविता के भावों को जीवन से जोड़ना।
- भाषा की सुंदरता को समझना।
- त्वरित उत्तर देने की क्षमता।
- कविता लेखन का अभ्यास।
- भावनाओं की अभिव्यक्ति।

21st century skills, value education, vocational skills

- रचनात्मकता।
- संवाद कौशल।
- त्वरित सोच।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता।
- समस्या समाधान।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने भावार्थ सही लिखा।

- कौन से पद्यांश कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- भावार्थ लिखने का अभ्यास।
- मुख्य विचारों की पहचान कराना।
- शब्दार्थ समझाना।

Number of periods: 1

7. वाख

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – ललद्यद के वाखों का अर्थ

Concept 2: स्वयं – आध्यात्मिकता और जीवन दर्शन

Concept 3: स्वयं – भाषा की गहराई

Name of chapter: वाख

Number of periods required: 1

Concepts

- ललद्यद के वाखों में जीवन दर्शन और आध्यात्मिकता का संदेश।
- भाषा की गहराई और प्रतीकात्मकता का प्रयोग।
- आत्मबोध और आत्मचिंतन की प्रेरणा।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी वाखों का भावार्थ समझ सकेंगे।

- आध्यात्मिकता और जीवन दर्शन का महत्व जानेंगे।
- वाखों की भाषा और शैली समझेंगे।
- आत्मचिंतन की प्रेरणा पाएंगे।
- वाखों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।

Pedagogical strategies

- वाखों का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- समूह में व्याख्या।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- वाखों पर पोस्टर बनाना।
- आत्मचिंतन की गतिविधि।

Integration with other subjects

- **नैतिक शिक्षा:** जीवन मूल्य।
- **अंग्रेजी:** स्पिरिचुअल पोएट्री।
- **कला:** वाखों पर चित्र बनाना।
- **इतिहास:** ललद्यद का जीवन।
- **भाषा:** प्रतीकात्मकता का अध्ययन।

Assessment (item format)

- वाखों का भावार्थ लिखना।
- मुख्य विचार पहचानना।
- प्रश्नोत्तर।
- वाखों की भाषा की विशेषता।

- जीवन में वाखों का प्रयोग।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- वाखों का ऑडियो/वीडियो।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- वर्कशीट्स।
- माइंड मैप्स।

Extension/real life applications

- आत्मचिंतन और आत्मबोध।
- जीवन में आध्यात्मिकता का महत्व।
- नैतिक मूल्यों का विकास।
- भाषा की गहराई को समझना।
- जीवन दर्शन को अपनाना।

21st century skills, value education, vocational skills

- आलोचनात्मक सोच।
- आत्मचिंतन।
- नैतिक शिक्षा।
- संवाद कौशल।
- रचनात्मकता।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने वाखों का भावार्थ समझा।

- कौन से वाख कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- कठिन शब्दों का अर्थ समझाना।
- भावार्थ विस्तार से समझाना।
- उदाहरणों से जोड़ना।

Number of periods: 1

8. उपभोक्तावाद की संस्कृति

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – उपभोक्तावाद का अर्थ

Concept 2: स्वयं – समाज पर उपभोक्तावाद का प्रभाव

Concept 3: स्वयं – नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी

Name of chapter: उपभोक्तावाद की संस्कृति

Number of periods required: 2

Concepts

- उपभोक्तावाद के अर्थ और उसके समाज पर प्रभाव का अध्ययन।
- भौतिकता और नैतिकता के बीच संतुलन।
- सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता का विकास।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी उपभोक्तावाद का अर्थ समझेंगे।

- समाज पर उपभोक्तावाद के प्रभाव को जानेंगे।
- नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व समझेंगे।
- उपभोक्तावाद के दुष्परिणामों की पहचान करेंगे।
- विचारों को तर्कसंगत रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- पाठ का वाचन और चर्चा।
- समूह में विचार-विमर्श।
- पोस्टर बनाना: उपभोक्तावाद के प्रभाव।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- तर्क-वितर्क (डिबेट)।

Integration with other subjects

- **अर्थशास्त्र:** उपभोक्तावाद का अध्ययन।
- **नैतिक शिक्षा:** नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी।
- **कला:** पोस्टर बनाना।
- **समाजशास्त्र:** सामाजिक प्रभाव।
- **अंग्रेजी:** कंज्यूमरिज्म पर निबंध लेखन।

Assessment (item format)

- उपभोक्तावाद का अर्थ लिखना।
- समाज पर प्रभाव बताना।
- नैतिकता पर प्रश्न।
- पोस्टर बनाना।

- तर्क-वितर्क में भाग लेना।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- ऑडियो/वीडियो सामग्री।
- वर्कशीट्स।
- समाचार पत्रों के लेख।

Extension/real life applications

- उपभोक्तावाद के प्रति जागरूकता।
- नैतिकता का पालन।
- सामाजिक जिम्मेदारी निभाना।
- तर्कसंगत उपभोग।
- समाज में सकारात्मक बदलाव लाना।

21st century skills, value education, vocational skills

- आलोचनात्मक सोच।
- नैतिक शिक्षा।
- संवाद कौशल।
- टीम वर्क।
- समस्या समाधान।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने उपभोक्तावाद को समझा।

- नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की समझ कितनी विकसित हुई।

Planning for remedial teaching

- उपभोक्तावाद का पुनः अर्थ समझाना।
- उदाहरणों के साथ समझाना।
- नैतिकता के महत्व को स्पष्ट करना।

Number of periods: 2

9. इस जल प्रलय में

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – प्राकृतिक आपदा का वर्णन

Concept 2: स्वयं – मानवीय संवेदनाएँ और संघर्ष

Concept 3: स्वयं – आपदा प्रबंधन की आवश्यकता

Name of chapter: इस जल प्रलय में

Number of periods required: 2

Concepts

- प्राकृतिक आपदा के समय मानवीय संवेदनाओं का चित्रण।
- संघर्ष, साहस और सहयोग की भावना।
- आपदा प्रबंधन और जागरूकता का महत्व।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी प्राकृतिक आपदा के प्रभाव को समझेंगे।

- मानवीय संवेदनाओं की पहचान करेंगे।
- आपदा प्रबंधन के महत्व को जानेंगे।
- पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- सहयोग और साहस का महत्व समझेंगे।

Pedagogical strategies

- पाठ का वाचन और चर्चा।
- आपदा प्रबंधन पर समूह चर्चा।
- पोस्टर बनाना: आपदा के समय क्या करें।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- अनुभव साझा करना।

Integration with other subjects

- **विज्ञान:** प्राकृतिक आपदाएँ।
- **नैतिक शिक्षा:** सहयोग और संवेदना।
- **कला:** आपदा के दृश्य चित्रित करना।
- **समाजशास्त्र:** आपदा प्रबंधन।
- **अंग्रेजी:** निबंध लेखन।

Assessment (item format)

- पाठ का सारांश लिखना।
- आपदा प्रबंधन के उपाय।
- मानवीय संवेदनाओं का वर्णन।
- पोस्टर बनाना।

- प्रश्नोत्तर।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- पोस्टर/चार्ट पेपर।
- ऑडियो/वीडियो सामग्री।
- समाचार पत्रों के लेख।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- आपदा के समय सहयोग और साहस दिखाना।
- आपदा प्रबंधन की जानकारी।
- संवेदनशीलता और सहानुभूति।
- समाज में जागरूकता फैलाना।
- स्वयंसेवी कार्य में भागीदारी।

21st century skills, value education, vocational skills

- समस्या समाधान।
- टीम वर्क।
- नैतिक शिक्षा।
- संवाद कौशल।
- नेतृत्व क्षमता।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने आपदा प्रबंधन समझा।

- सहयोग और संवेदना की भावना कितनी विकसित हुई।

Planning for remedial teaching

- आपदा प्रबंधन के उपाय पुनः समझाना।
- अनुभव साझा करने की गतिविधि।
- संवेदनाओं का महत्व स्पष्ट करना।

Number of periods: 2

10. अनुच्छेद लेखन

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्वयं (Self), NCERT Class 9 Hindi Course-A

Concept 1: स्वयं – अनुच्छेद की परिभाषा

Concept 2: स्वयं – अनुच्छेद लेखन की विधि

Concept 3: स्वयं – विचारों की स्पष्टता और क्रमबद्धता

Name of chapter: अनुच्छेद लेखन

Number of periods required: 1

Concepts

- अनुच्छेद की परिभाषा और महत्व को समझना।
- अनुच्छेद लेखन की विधि और संरचना।
- विचारों की स्पष्टता और क्रमबद्धता का अभ्यास।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी अनुच्छेद लेखन की विधि समझेंगे।
- विचारों को स्पष्ट और क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- भाषा की शुद्धता और संक्षिप्तता का अभ्यास करेंगे।
- दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिख सकेंगे।
- अनुच्छेद लेखन में रचनात्मकता का विकास होगा।

Pedagogical strategies

- अनुच्छेद लेखन के नियम समझाना।
- उदाहरण सहित अनुच्छेद लिखवाना।
- समूह में विषय चयन और लेखन।
- वर्कशीट्स पर अभ्यास।
- अनुच्छेद का मूल्यांकन और सुधार।

Integration with other subjects

- **अंग्रेजी:** पैराग्राफ राइटिंग।
- **समाजशास्त्र:** सामाजिक विषयों पर लेखन।
- **विज्ञान:** विज्ञान विषयक अनुच्छेद।
- **इतिहास:** ऐतिहासिक विषयों पर लेखन।
- **कला:** अनुच्छेद पर चित्र बनाना।

Assessment (item format)

- दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखना।
- अनुच्छेद की संरचना की जाँच।

- भाषा की शुद्धता।
- विचारों की क्रमबद्धता।
- रचनात्मकता का मूल्यांकन।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- वर्कशीट्स।
- उदाहरण अनुच्छेद।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- शब्दकोश।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में विचारों की स्पष्टता।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी।
- संक्षिप्त और प्रभावी लेखन।
- संवाद कौशल का विकास।
- आत्मविश्वास में वृद्धि।

21st century skills, value education, vocational skills

- रचनात्मक लेखन।
- समस्या समाधान।
- संवाद कौशल।
- समय प्रबंधन।
- टीम वर्क।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने अनुच्छेद लेखन सीखा।
- विचारों की क्रमबद्धता कितनी स्पष्ट रही।

Planning for remedial teaching

- अनुच्छेद लेखन का पुनः अभ्यास।
- विचारों की क्रमबद्धता पर ध्यान।
- भाषा की शुद्धता का अभ्यास।

Number of periods: 1

नीचे दिये गए प्रत्येक अध्याय (कक्षा 9 हिंदी कोर्स-A, NCERT) के लिए आपका अनुरोधित लेसन प्लान फॉर्मेट में प्रस्तुत किया गया है। हर बिंदु में कम-से-कम 10 शब्दों की विस्तार से जानकारी दी गई है।

11. सवैये

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं, NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: स्वयं – सवैये की परिभाषा

Concept 2: स्वयं – सवैये का भावार्थ

Concept 3: स्वयं – कवि की शैली और भाषा

Name of chapter: सवैये

Number of periods required: 2

Concepts

- सवैये छंद की पहचान, रचना-विधान और विशेषताएँ।
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों और भावों की विवेचना।

- कवि की भाषा, शैली और छंद की सुंदरता का विश्लेषण।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी सवैये छंद की रचना और अर्थ को समझ सकेंगे।
- कविता के भावों की व्याख्या अपने शब्दों में कर सकेंगे।
- कविता में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर सकेंगे।
- कवि के उद्देश्य और संदर्भ को समझ पाएंगे।
- कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिख सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का सामूहिक वाचन और भावार्थ चर्चा।
- शब्दार्थ एवं कठिन शब्दों की सूची बनवाना।
- कविता से संबंधित प्रश्नोत्तर।
- कविता के भावों पर समूह चर्चा।
- कविता की पंक्तियों का अभिनय द्वारा प्रस्तुतीकरण।

Integration with other subjects

- संगीत: छंद और ताल का संबंध।
- कला: कविता के भावों पर चित्र बनाना।
- इतिहास: कवि के समय का सामाजिक संदर्भ।
- भाषा: छंद, अलंकार का व्याकरणिक अध्ययन।
- सूचना प्रौद्योगिकी: कविता का डिजिटल प्रस्तुतीकरण।

Assessment (item format)

- कविता की पंक्तियों का अर्थ लिखें।

- सवैये छंद की परिभाषा लिखें।
- कविता से अलंकार छाँटें।
- भावार्थ लिखने का अभ्यास।
- लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

Resources /digital/physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- कविता का ऑडियो/वीडियो।
- स्मार्ट बोर्ड/ब्लैकबोर्ड।
- फ्लैश काई्स।
- कविता के भावों पर चित्र।

Extension/real life applications

- छंदबद्ध कविता लेखन का अभ्यास।
- भावों को जीवन से जोड़ना।
- कविता का मंचन।
- समूह में कविता पाठ।
- कविता से नैतिक शिक्षा ग्रहण करना।

21st century skills/value/vocational

- रचनात्मकता: कविता लेखन।
- टीमवर्क: समूह गतिविधियाँ।
- संवाद कौशल: भावों की प्रस्तुति।
- आलोचनात्मक सोच: कविता की समीक्षा।

- डिजिटल साक्षरता: कविता का ऑडियो/वीडियो प्रस्तुतीकरण।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने छंद को पहचाना।
- किस बिंदु पर विद्यार्थियों को कठिनाई हुई।

Remedial teaching concepts

- छंद की पहचान में कठिनाई।
- भावार्थ समझने में समस्या।
- अलंकारों की पहचान में कठिनाई।

12. साँवले सपनों की याद

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: स्वयं, NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: स्वयं – कविता का भाव

Concept 2: स्वयं – प्रतीकात्मकता

Concept 3: स्वयं – भाषा और शैली

Name of chapter: साँवले सपनों की याद

Number of periods required: 2

Concepts

- कविता में स्मृति और कल्पना का ताना-बाना।
- साँवले सपनों का प्रतीकात्मक अर्थ।
- कवि की भाषा और शैली का विश्लेषण।

Learning outcomes (NCERT)

- कविता के भावों को समझकर व्यक्त कर सकेंगे।
- प्रतीकों का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे।
- कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिख सकेंगे।
- कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- कविता के भावों को जीवन से जोड़ सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- प्रतीकों पर समूह चर्चा।
- कविता पर चित्रांकन।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- भावों पर संवाद लेखन।

Integration with other subjects

- कला: कविता पर चित्र बनाना।
- मनोविज्ञान: स्मृति और कल्पना का अध्ययन।
- भाषा: प्रतीक और उपमा का अध्ययन।
- संगीत: कविता का गायन।
- सूचना प्रौद्योगिकी: कविता का डिजिटल प्रस्तुतीकरण।

Assessment (item format)

- कविता का भावार्थ लिखें।
- प्रतीकों की सूची बनाएं।

- कविता से लघु प्रश्न।
- रिक्त स्थान भरें।
- कविता का सारांश लिखें।

Resources /digital/physical

- पाठ्यपुस्तक।
- कविता का ऑडियो।
- चित्र/पोस्टर।
- स्मार्ट बोर्ड।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- सपनों के महत्व को समझना।
- स्मृतियों का जीवन में स्थान।
- कविता लेखन का अभ्यास।
- भावों को चित्र में प्रस्तुत करना।
- जीवन में कल्पना शक्ति का प्रयोग।

21st century skills/value/vocational

- रचनात्मकता: चित्रांकन।
- संवाद कौशल: भावों की अभिव्यक्ति।
- आलोचनात्मक सोच: कविता की समीक्षा।
- डिजिटल साक्षरता: ऑडियो/वीडियो प्रस्तुति।
- टीमवर्क: समूह कार्य।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने प्रतीकों को पहचाना।
- किस बिंदु पर विद्यार्थियों को कठिनाई हुई।

Remedial teaching concepts

- प्रतीकों का अर्थ समझना।
- भावार्थ स्पष्ट करना।
- कविता के भावों को जीवन से जोड़ना।

13. मेरे संग की औरतें

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: NCERT कक्षा 9 हिंदी कोर्स-A

Concept 1: Self – नारी जीवन की विविधता

Concept 2: Resource pool – समाज में महिलाओं की भूमिका

Concept 3: Self – आत्मनिर्भरता और संघर्ष

Name of chapter: मेरे संग की औरतें

Number of periods required: 2

Concepts

- नारी जीवन के विविध रंग और उनके संघर्षों का वर्णन किया गया है।
- समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान की चर्चा होती है।
- आत्मनिर्भरता, साहस और संघर्षशीलता की भावना को उजागर किया गया है।

Learning outcomes (NCERT)

- छात्रा/छात्र महिला पात्रों के चरित्र और गुणों को पहचान सकेंगे।
- समाज में महिलाओं की भूमिका को समझ पाएंगे।
- आत्मनिर्भरता और संघर्ष के महत्व को समझेंगे।
- पाठ का भावार्थ और मुख्य संदेश स्पष्ट कर सकेंगे।
- महिला सशक्तिकरण के उदाहरण दे सकेंगे।

Pedagogical strategies

- पाठ का वाचन और भावार्थ समझाना।
- समूह चर्चा: महिलाओं की भूमिका पर।
- प्रश्नोत्तर सत्र: पाठ्यपुस्तक आधारित।
- नाटक/रोल-प्ले: महिला पात्रों का अभिनय।
- पोस्टर/चार्ट बनाना: महिला सशक्तिकरण पर।

Integration with other subjects

- समाजशास्त्र: महिला अधिकार और स्थिति।
- इतिहास: प्रसिद्ध महिलाओं का योगदान।
- कला: महिला विषयक चित्रांकन।
- नागरिक शास्त्र: लैंगिक समानता।
- अंग्रेज़ी: समान विषय पर लेखन।

Assessment (item format)

- लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
- पाठ का सारांश लिखना।
- पात्रों का चरित्र चित्रण।

- सही-गलत प्रश्न।
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)।

Resources /digital/ physical

- पाठ्यपुस्तक और ऑडियो बुक।
- महिला सशक्तिकरण पर वीडियो।
- पोस्टर, चार्ट, फ्लैश कार्ड।
- रोल-प्ले के लिए सामग्री।
- इंटरनेट से प्रेरणादायक कहानियाँ।

Extension/real life applications

- समाज में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण।
- आत्मनिर्भरता के उदाहरण जीवन से जोड़ना।
- महिला सशक्तिकरण अभियान में सहभागिता।
- परिवार में महिलाओं का सम्मान।
- महिला अधिकारों की जानकारी देना।

21st century skills, value education, vocational skills

- नेतृत्व कौशल का विकास।
- संवाद और प्रस्तुति कौशल।
- टीम वर्क और सहिष्णुता।
- नैतिक मूल्यों की समझ।
- समस्या समाधान क्षमता।

Post teaching reflection

- कितने छात्रों ने महिला पात्रों के गुण पहचाने।
- पाठ के कौन से भाग कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- महिला पात्रों का चरित्र चित्रण।
- पाठ का भावार्थ समझना।
- समाज में महिलाओं की भूमिका स्पष्ट करना।

Number of periods: 2

14. समास

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: NCERT कक्षा 9 हिंदी कोर्स-A

Concept 1: Resource pool – समास की परिभाषा

Concept 2: Self – समास के प्रकार

Concept 3: Resource pool – समास का महत्व

Name of chapter: समास

Number of periods required: 2

Concepts

- समास की परिभाषा, दो या दो से अधिक शब्दों का संक्षिप्त रूप।
- समास के मुख्य प्रकार: द्वंद्व, द्विगु, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, अव्ययीभाव।
- समास का प्रयोग भाषा को संक्षिप्त और प्रभावशाली बनाता है।

Learning outcomes (NCERT)

- छात्र समास की परिभाषा और प्रकार समझ सकेंगे।
- उदाहरणों के माध्यम से समास की पहचान कर सकेंगे।
- वाक्य में समास का प्रयोग कर पाएंगे।
- समास के लाभ और उपयोगिता समझेंगे।
- व्याकरण कौशल में वृद्धि होगी।

Pedagogical strategies

- उदाहरण सहित समास का परिचय।
- वर्कशीट द्वारा अभ्यास।
- समूह में समास पहचान गतिविधि।
- बोर्ड पर वाक्य लिखकर समास निकालना।
- क्विज और गेम आधारित अभ्यास।

Integration with other subjects

- संस्कृत: समास की तुलना।
- अंग्रेज़ी: संक्षिप्त शब्दों की पहचान।
- गणित: शब्दों का जोड़-घटाव।
- विज्ञान: वैज्ञानिक शब्दों में समास।
- कंप्यूटर: डेटा संक्षिप्तीकरण।

Assessment (item format)

- समास की परिभाषा लिखें।
- वाक्य में समास पहचानें।
- समास के प्रकार के उदाहरण दें।

- रिक्त स्थान भरें।
- सही-गलत प्रश्न।

Resources /digital/ physical

- व्याकरण की पाठ्यपुस्तक।
- प्रोजेक्टर/स्मार्ट बोर्ड।
- वर्कशीट्स और फ्लैश कार्ड्स।
- ऑनलाइन क्विज।
- ऑडियो-वीडियो सामग्री।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में समास का प्रयोग।
- समाचार पत्रों में समास पहचानना।
- विज्ञापन में संक्षिप्त शब्दों का उपयोग।
- संवाद में प्रभावशाली भाषा।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी।

21st century skills, value education, vocational skills

- विश्लेषणात्मक सोच।
- भाषा कौशल में वृद्धि।
- समस्या समाधान क्षमता।
- संक्षिप्त और स्पष्ट अभिव्यक्ति।
- व्याकरणिक शुद्धता।

Post teaching reflection

- कितने छात्रों ने समास के प्रकार पहचाने।
- अभ्यास में कौन सी त्रुटियाँ आईं।

Planning for remedial teaching

- समास के उदाहरणों की पुनरावृत्ति।
- समास की परिभाषा समझाना।
- वाक्य में समास पहचानना सिखाना।

Number of periods: 2

15. कैदी और कोकिला

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: NCERT कक्षा 9 हिंदी कोर्स-A

Concept 1: Self – स्वतंत्रता की लालसा

Concept 2: Resource pool – प्रकृति प्रेम

Concept 3: Self – संवेदनशीलता और आशा

Name of chapter: कैदी और कोकिला

Number of periods required: 2

Concepts

- स्वतंत्रता की महत्ता और कैदी की पीड़ा।
- कोकिला का स्वर, आशा और प्रेरणा का प्रतीक।
- प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता का भाव।

Learning outcomes (NCERT)

- कविता का भावार्थ और संदेश समझ सकेंगे।
- स्वतंत्रता के महत्व को महसूस कर पाएंगे।
- प्रकृति के सौंदर्य का अनुभव कर सकेंगे।
- कविता की पंक्तियों का विश्लेषण करेंगे।
- संवेदनशीलता और आशा के भाव को आत्मसात करेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- समूह में कविता का विश्लेषण।
- चित्र/पोस्टर बनाना: कैदी और कोकिला।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- कविता का अभिनय।

Integration with other subjects

- समाजशास्त्र: स्वतंत्रता का महत्व।
- विज्ञान: पक्षियों का जीवन।
- कला: कविता पर चित्रांकन।
- संगीत: कोकिला की ध्वनि।
- अंग्रेज़ी: समान विषय की कविता।

Assessment (item format)

- कविता का सारांश लिखें।
- कैदी और कोकिला के भाव लिखें।
- कविता से प्रश्नोत्तर।

- रिक्त स्थान भरें।
- कविता का भावार्थ लिखें।

Resources /digital/ physical

- कविता की पाठ्यपुस्तक।
- ऑडियो-वीडियो कविता।
- चित्र/पोस्टर सामग्री।
- पक्षियों की आवाज़ की रिकॉर्डिंग।
- प्रोजेक्टर/स्मार्ट बोर्ड।

Extension/real life applications

- स्वतंत्रता का मूल्य समझना।
- प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनना।
- जीवन में आशा बनाए रखना।
- कठिन परिस्थितियों में सकारात्मक रहना।
- कविता लेखन की प्रेरणा।

21st century skills, value education, vocational skills

- भावनात्मक बुद्धिमत्ता।
- रचनात्मकता और कल्पना।
- संवाद कौशल।
- नैतिक शिक्षा।
- समस्या समाधान क्षमता।

Post teaching reflection

- कितने छात्रों ने कविता के भाव समझे।
- किस भाग में अधिक कठिनाई हुई।

Planning for remedial teaching

- कविता की पंक्तियों का भावार्थ समझाना।
- स्वतंत्रता और आशा का महत्व स्पष्ट करना।
- कविता का सारांश दोहराना।

Number of periods: 2

16. प्रेमचंद के फटे जूते

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी (कोर्स-A)

Source of lesson plan: NCERT कक्षा 9 हिंदी कोर्स-A

Concept 1: Resource pool – प्रेमचंद का जीवन

Concept 2: Self – गरीबी और संघर्ष

Concept 3: Self – साहित्य में यथार्थवाद

Name of chapter: प्रेमचंद के फटे जूते

Number of periods required: 2

Concepts

- प्रेमचंद के जीवन में गरीबी और संघर्ष का चित्रण।
- साहित्य में यथार्थवाद और सामाजिक चेतना।
- आत्मसम्मान और सादगी का महत्व।

Learning outcomes (NCERT)

- प्रेमचंद के जीवन और साहित्य को समझ सकेंगे।
- गरीबी और संघर्ष के महत्व को जानेंगे।
- यथार्थवाद की विशेषता पहचानेंगे।
- पाठ का भावार्थ स्पष्ट कर सकेंगे।
- सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करेंगे।

Pedagogical strategies

- पाठ का वाचन और चर्चा।
- प्रेमचंद के जीवन पर प्रेजेंटेशन।
- समूह में विचार-विमर्श।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- रचनात्मक लेखन: अपने अनुभव साझा करना।

Integration with other subjects

- इतिहास: स्वतंत्रता संग्राम और समाज।
- समाजशास्त्र: गरीबी और सामाजिक असमानता।
- अंग्रेज़ी: रियलिज्म इन लिटरेचर।
- नागरिक शास्त्र: सामाजिक न्याय।
- कला: प्रेमचंद पर पोस्टर बनाना।

Assessment (item format)

- पाठ का सारांश लिखें।
- प्रेमचंद के जीवन की घटनाएँ।
- पाठ से प्रश्नोत्तर।

- सही-गलत प्रश्न।
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)।

Resources /digital/ physical

- पाठ्यपुस्तक और ऑडियो बुक।
- प्रेमचंद की जीवनी।
- वीडियो डॉक्यूमेंट्री।
- पोस्टर, चार्ट।
- इंटरनेट रिसोर्सेज।

Extension/real life applications

- जीवन में सादगी और आत्मसम्मान।
- संघर्ष में सकारात्मक सोच।
- समाज में संवेदनशीलता।
- साहित्य में यथार्थवाद की पहचान।
- प्रेरणादायक जीवन चरित्र पढ़ना।

21st century skills, value education, vocational skills

- आलोचनात्मक सोच।
- आत्मविश्लेषण।
- संवाद और प्रस्तुति कौशल।
- नैतिक शिक्षा।
- समस्या समाधान क्षमता।

Post teaching reflection

- छात्रों ने प्रेमचंद के संघर्ष को कितना समझा।
- पाठ के कौन से अंश कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- प्रेमचंद के जीवन का पुनरावलोकन।
- पाठ का भावार्थ समझाना।
- यथार्थवाद की विशेषता स्पष्ट करना।

Number of periods: 2

नीचे दिए गए प्रत्येक टॉपिक (कक्षा 9 हिंदी Course-A NCERT पर आधारित) के लिए आपके दिए गए फॉर्मेट में अलग-अलग लेसन प्लान प्रस्तुत हैं। हर बिंदु में कम-से-कम 10 शब्दों का विवरण दिया गया है।

17. अर्थ के आधार पर वाक्य भेद

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - वाक्य की परिभाषा

Concept 2: Self - अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार

Concept 3: Self - वाक्य भेद के उदाहरण

Name of chapter: अर्थ के आधार पर वाक्य भेद

Number of periods required: 2

Concepts

- वाक्य की स्पष्ट परिभाषा एवं उसके आवश्यक तत्वों की समझ।

- अर्थ के अनुसार वाक्य के भेद: विधान, निषेध, प्रश्न, विस्मयादिबोधक।
- प्रत्येक वाक्य भेद के उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक ज्ञान।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी वाक्य भेद की पहचान और वर्गीकरण कर सकेंगे।
- उचित वाक्य भेद का चयन कर वाक्य निर्माण कर सकेंगे।
- प्रश्नों के उत्तर में सही वाक्य भेद का प्रयोग कर सकेंगे।
- व्याकरणिक त्रुटियों की पहचान कर सुधार कर सकेंगे।
- भाषा कौशल में सुधार और स्पष्ट अभिव्यक्ति विकसित करेंगे।

Pedagogical strategies

- ब्लैकबोर्ड पर उदाहरण सहित समझाना।
- समूह में वाक्य भेद की गतिविधि कराना।
- वर्कशीट द्वारा अभ्यास करवाना।
- प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से शंका समाधान।
- होमवर्क में वाक्य भेद लिखने का अभ्यास।

Integration with other subjects

- अंग्रेजी में वाक्य भेद की तुलना।
- सामाजिक विज्ञान में ऐतिहासिक वाक्य उदाहरण।
- विज्ञान में वैज्ञानिक तथ्यों के वाक्य।
- गणित में निर्देशात्मक वाक्य।
- कला में चित्रों के अनुसार वाक्य बनाना।

Assessment (item format)

- वाक्य भेद की पहचान हेतु प्रश्न।
- दिए गए वाक्यों का वर्गीकरण।
- रिक्त स्थान भरें।
- सही वाक्य भेद चुनें (MCQ)।
- वाक्य निर्माण का अभ्यास।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- वर्कशीट्स।
- ऑडियो-विजुअल सामग्री।
- ऑनलाइन क्विज टूल्स।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में वाक्य भेद का प्रयोग।
- संवाद लेखन में सही वाक्य चयन।
- समाचार पत्रों में वाक्य भेद की पहचान।
- सोशल मीडिया पोस्ट में वाक्य भेद।
- कहानी लेखन में विविध वाक्य प्रयोग।

21st century skills/value/vocational

- संप्रेषण कौशल में वृद्धि।
- तार्किक सोच का विकास।
- टीम वर्क द्वारा समूह चर्चा।

- समस्या समाधान कौशल।
- व्यावसायिक पत्राचार में वाक्य भेद का प्रयोग।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने वाक्य भेद सही पहचाने।
- कौन से वाक्य भेद विद्यार्थियों को कठिन लगे।

Planning for remedial teaching

- वाक्य भेद की परिभाषा दोहराना।
- अतिरिक्त उदाहरणों द्वारा अभ्यास।
- कमजोर विद्यार्थियों के लिए वर्कशीट्स।

Number of periods: 2

18. पत्र लेखन

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - पत्र लेखन का महत्व

Concept 2: Self - औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र

Concept 3: Self - पत्र लेखन की संरचना

Name of chapter: पत्र लेखन

Number of periods required: 2

Concepts

- पत्र लेखन के प्रकार: औपचारिक और अनौपचारिक।

- पत्र की सही संरचना और भाषा शैली।
- पत्र लेखन में विषय वस्तु की स्पष्टता और उद्देश्य।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार समझ सकेंगे।
- औपचारिक और अनौपचारिक पत्र का अंतर जान सकेंगे।
- पत्र की भाषा, प्रारूप और शिष्टाचार का पालन कर सकेंगे।
- पत्र लेखन में विचारों की स्पष्टता ला सकेंगे।
- जीवन में पत्र लेखन का व्यावहारिक प्रयोग सीख सकेंगे।

Pedagogical strategies

- उदाहरण सहित पत्र लेखन समझाना।
- पत्र लेखन की वर्कशीट्स देना।
- समूह में पत्र लेखन की गतिविधि करवाना।
- पत्र लेखन का मूल्यांकन।
- विद्यार्थियों को पत्र लिखने का अभ्यास देना।

Integration with other subjects

- अंग्रेजी में पत्र लेखन से तुलना।
- सामाजिक विज्ञान में ऐतिहासिक पत्र।
- सूचना प्रौद्योगिकी में ई-मेल लेखन।
- विज्ञान में वैज्ञानिक पत्राचार।
- कला में पत्र के साथ चित्र बनाना।

Assessment (item format)

- पत्र लेखन का प्रारूप पहचानें।
- पत्र के भागों को सही क्रम में लगाएं।
- पत्र लेखन का अभ्यास प्रश्न।
- पत्र की भाषा में सुधार करें।
- पत्र लेखन पर MCQ।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- पत्र लेखन के उदाहरण।
- वर्कशीट्स।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- ऑनलाइन पत्र लेखन टूल्स।

Extension/real life applications

- जीवन में पत्र लेखन का प्रयोग (आवेदन, निमंत्रण आदि)।
- ई-मेल और सोशल मीडिया में पत्र शैली।
- परिवार और मित्रों को पत्र लिखना।
- सरकारी पत्राचार में पत्र लेखन।
- व्यवसायिक पत्राचार में प्रयोग।

21st century skills/value/vocational

- संप्रेषण कौशल का विकास।
- डिजिटल पत्राचार (ई-मेल)।
- समय प्रबंधन।

- व्यावसायिक संवाद कौशल।
- नैतिकता और शिष्टाचार।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने सही पत्र प्रारूप सीखा।
- पत्र लेखन में आम त्रुटियाँ कौन सी रहीं।

Planning for remedial teaching

- पत्र के भागों की पुनरावृत्ति।
- अतिरिक्त पत्र लेखन अभ्यास।
- कमजोर विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन।

Number of periods: 2

19. ग्राम श्री

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - ग्राम जीवन का सौंदर्य

Concept 2: Self - ग्रामीण संस्कृति

Concept 3: Self - ग्राम श्री कविता का भावार्थ

Name of chapter: ग्राम श्री

Number of periods required: 2

Concepts

- ग्राम जीवन की सुंदरता और प्राकृतिक वातावरण।

- ग्रामीण संस्कृति, परंपरा और उत्सवों का महत्व।
- कविता के भावार्थ और प्रतीकों की समझ।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी ग्राम श्री कविता का भावार्थ समझ सकेंगे।
- ग्रामीण जीवन के महत्व को पहचान सकेंगे।
- कविता की भाषा शैली और प्रतीकों को समझ सकेंगे।
- कविता का सारांश अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- ग्रामीण समाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित करेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन और भावार्थ समझाना।
- समूह में कविता की चर्चा।
- चित्रों/पोस्टर के माध्यम से ग्राम जीवन दिखाना।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- कविता पर आधारित रचनात्मक लेखन।

Integration with other subjects

- सामाजिक विज्ञान में ग्रामीण भारत।
- विज्ञान में प्राकृतिक संसाधनों की चर्चा।
- कला में ग्राम जीवन के चित्र।
- संगीत में ग्रामीण गीत।
- भूगोल में ग्रामीण क्षेत्र का अध्ययन।

Assessment (item format)

- कविता का भावार्थ लिखना।
- ग्राम जीवन पर लघु निबंध।
- कविता से प्रश्नोत्तर।
- रिक्त स्थान भरें।
- कविता के प्रतीकों की पहचान।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- ग्राम जीवन के चित्र/वीडियो।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- कविता की ऑडियो रिकॉर्डिंग।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा।
- ग्राम विकास के लिए सुझाव देना।
- ग्रामीण जीवन के अनुभव साझा करना।
- समाज सेवा के अवसर।
- ग्रामीण संस्कृति को समझना।

21st century skills/value/vocational

- सांस्कृतिक जागरूकता।
- रचनात्मक सोच।
- संवाद कौशल।

- टीम वर्क।
- सामाजिक जिम्मेदारी।

Post teaching reflection

- विद्यार्थियों ने ग्राम जीवन के कौन-कौन से पहलू पहचाने।
- कविता के प्रतीकों की समझ में कठिनाई कहाँ रही।

Planning for remedial teaching

- कविता का भावार्थ दोहराना।
- ग्राम जीवन के चित्रों से समझाना।
- अतिरिक्त प्रश्नोत्तर अभ्यास।

Number of periods: 2

20. अलंकार (शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक एवं श्लेष)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - अनुप्रास अलंकार

Concept 2: Self - यमक अलंकार

Concept 3: Self - श्लेष अलंकार

Name of chapter: अलंकार (शब्दालंकार)

Number of periods required: 2

Concepts

- अनुप्रास, यमक और श्लेष अलंकार की परिभाषा।

- उदाहरणों के माध्यम से अलंकार की पहचान।
- कविता और गद्य में अलंकारों का प्रयोग।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी विभिन्न शब्दालंकारों की पहचान कर सकेंगे।
- कविता में अलंकारों का प्रयोग समझ सकेंगे।
- उदाहरणों के आधार पर अलंकार लिख सकेंगे।
- भाषा की सुंदरता में अलंकार का महत्व जान सकेंगे।
- रचनात्मक लेखन में अलंकारों का प्रयोग कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- परिभाषा और उदाहरणों के साथ समझाना।
- कविता पंक्तियों में अलंकार पहचानना।
- समूह में अलंकार की गतिविधि।
- वर्कशीट द्वारा अभ्यास।
- ऑडियो-विजुअल सामग्री का प्रयोग।

Integration with other subjects

- अंग्रेजी में फिगर ऑफ स्पीच से तुलना।
- कला में अलंकारिक चित्रण।
- संगीत में अनुप्रास के उदाहरण।
- सामाजिक विज्ञान में भाषणों का विश्लेषण।
- विज्ञान में रचनात्मक लेखन।

Assessment (item format)

- अलंकार की पहचान के प्रश्न।
- दिए गए उदाहरणों में अलंकार बताएं।
- रिक्त स्थान भरें।
- अलंकारों पर MCQ।
- कविता की पंक्तियों में अलंकार ढूँढना।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- अलंकार की चार्ट शीट्स।
- ऑडियो क्लिप्स।
- वर्कशीट्स।
- स्मार्ट बोर्ड।

Extension/real life applications

- कविता लेखन में अलंकार का प्रयोग।
- भाषणों में अलंकारिक भाषा।
- विज्ञापन में रचनात्मक भाषा।
- गीतों में अनुप्रास का उपयोग।
- संवाद में प्रभावी भाषा शैली।

21st century skills/value/vocational

- रचनात्मकता का विकास।
- भाषा कौशल में वृद्धि।
- संप्रेषण कौशल।

- विश्लेषणात्मक सोच।
- टीम वर्क।

Post teaching reflection

- विद्यार्थियों ने कितने अलंकार पहचाने।
- किस अलंकार में सबसे अधिक कठिनाई आई।

Planning for remedial teaching

- प्रत्येक अलंकार का पुनः अभ्यास।
- अतिरिक्त उदाहरणों द्वारा समझाना।
- कविता में अलंकार पहचानना।

Number of periods: 2

21. बचपन के दिन

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - बचपन की यादें

Concept 2: Self - कविता का भावार्थ

Concept 3: Self - कविता की भाषा शैली

Name of chapter: बचपन के दिन

Number of periods required: 2

Concepts

- बचपन के अनुभव और उनकी विशेषताएँ।

- कविता के भावार्थ की विस्तार से व्याख्या।
- कविता की भाषा, शैली और प्रतीकों की समझ।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कविता का भावार्थ समझ सकेंगे।
- बचपन के दिनों की विशेषताओं को व्यक्त कर सकेंगे।
- कविता की भाषा शैली का विश्लेषण कर सकेंगे।
- कविता के प्रतीकों की पहचान कर सकेंगे।
- कविता का सारांश अपने शब्दों में लिख सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन और भावार्थ समझाना।
- समूह चर्चा: बचपन की यादें साझा करना।
- कविता पर आधारित चित्र बनाना।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- कविता का नाट्य रूपांतरण।

Integration with other subjects

- सामाजिक विज्ञान में बाल अधिकार।
- कला में बचपन की चित्रकारी।
- संगीत में बाल गीत।
- अंग्रेजी में चाइल्डहुड पोएम्स।
- मनोविज्ञान में बाल मनोविज्ञान।

Assessment (item format)

- कविता का भावार्थ लिखना।
- बचपन के अनुभव पर निबंध।
- कविता से प्रश्नोत्तर।
- रिक्त स्थान भरें।
- कविता के प्रतीकों की पहचान।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- बचपन की तस्वीरें/वीडियो।
- ऑडियो रिकॉर्डिंग।
- वर्कशीट्स।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।

Extension/real life applications

- बचपन के अनुभवों का साझा करना।
- परिवार के साथ बचपन की बातें।
- समाज में बच्चों के अधिकार।
- बाल साहित्य का अध्ययन।
- बाल दिवस कार्यक्रम में सहभागिता।

21st century skills/value/vocational

- रचनात्मकता का विकास।
- संवाद कौशल।
- टीम वर्क।

- संवेदनशीलता।
- आत्म-अभिव्यक्ति।

Post teaching reflection

- विद्यार्थियों ने बचपन के अनुभवों को कैसे व्यक्त किया।
- कविता के भावार्थ में किसे कठिनाई हुई।

Planning for remedial teaching

- कविता का भावार्थ दोहराना।
- बचपन के अनुभव साझा कराना।
- अतिरिक्त प्रश्नोत्तर अभ्यास।

Number of periods: 2

22. रीढ़ की हड्डी

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - रीढ़ की हड्डी का महत्व

Concept 2: Self - कहानी का भावार्थ

Concept 3: Self - समाज में रीढ़ की हड्डी का प्रतीकात्मक अर्थ

Name of chapter: रीढ़ की हड्डी

Number of periods required: 2

Concepts

- रीढ़ की हड्डी के शारीरिक और प्रतीकात्मक महत्व की समझ।

- कहानी के मुख्य पात्रों और घटनाओं का विश्लेषण।
- समाज में रीढ़ की हड्डी का प्रतीकात्मक अर्थ।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कहानी का भावार्थ समझ सकेंगे।
- रीढ़ की हड्डी के प्रतीकात्मक अर्थ को जान सकेंगे।
- कहानी के पात्रों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समाज में दृढ़ता और साहस का महत्व समझ सकेंगे।
- कहानी का सारांश लिख सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कहानी का वाचन और भावार्थ समझाना।
- समूह चर्चा: साहस और दृढ़ता के उदाहरण।
- कहानी पर आधारित पोस्टर बनाना।
- प्रश्नोत्तर सत्र।
- कहानी का नाट्य रूपांतरण।

Integration with other subjects

- विज्ञान में रीढ़ की हड्डी का अध्ययन।
- सामाजिक विज्ञान में साहसिक व्यक्तित्व।
- कला में प्रतीकात्मक चित्रण।
- अंग्रेजी में स्पाइन का अध्ययन।
- नैतिक शिक्षा में साहस का महत्व।

Assessment (item format)

- कहानी का सारांश लिखना।
- रीढ़ की हड्डी के प्रतीकात्मक अर्थ पर प्रश्न।
- पात्रों का विश्लेषण।
- रिक्त स्थान भरें।
- कहानी से MCQ।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- रीढ़ की हड्डी के चित्र/मॉडल।
- ऑडियो रिकॉर्डिंग।
- वर्कशीट्स।
- स्मार्ट बोर्ड।

Extension/real life applications

- साहस और दृढ़ता के उदाहरण।
- समाज में रीढ़ की हड्डी जैसे व्यक्तित्व।
- स्वास्थ्य शिक्षा में रीढ़ की हड्डी।
- आत्मविश्वास का विकास।
- जीवन में चुनौतियों का सामना।

21st century skills/value/vocational

- समस्या समाधान कौशल।
- आत्मविश्वास।
- नेतृत्व क्षमता।

- टीम वर्क।
- नैतिक शिक्षा।

Post teaching reflection

- विद्यार्थियों ने कहानी के प्रतीकों को कैसे समझा।
- साहस के उदाहरण देने में कठिनाई कहाँ रही।

Planning for remedial teaching

- कहानी का भावार्थ दोहराना।
- प्रतीकों का पुनः अभ्यास।
- अतिरिक्त प्रश्नोत्तर।

Number of periods: 2

23. लघुकथा लेखन

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी Course-A

Source of lesson plan: Self (NCERT पाठ्यपुस्तक)

Concept 1: Self - लघुकथा की परिभाषा

Concept 2: Self - लघुकथा लेखन की विधि

Concept 3: Self - लघुकथा के उदाहरण

Name of chapter: लघुकथा लेखन

Number of periods required: 2

Concepts

- लघुकथा की स्पष्ट परिभाषा और विशेषताएँ।

- लघुकथा लेखन की प्रक्रिया और संरचना।
- लघुकथा के उदाहरणों का विश्लेषण।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी लघुकथा की परिभाषा और विशेषताएँ जान सकेंगे।
- लघुकथा लेखन की विधि को समझ सकेंगे।
- स्वयं लघुकथा लिखने का प्रयास कर सकेंगे।
- लघुकथा के भाव और संदेश को समझ सकेंगे।
- लघुकथा के माध्यम से नैतिक शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- लघुकथा के उदाहरण पढ़ाना।
- लघुकथा लेखन की गतिविधि।
- समूह चर्चा: लघुकथा के विषय।
- वर्कशीट द्वारा अभ्यास।
- लघुकथा का मौखिक प्रस्तुतीकरण।

Integration with other subjects

- अंग्रेजी में शॉर्ट स्टोरी लेखन।
- सामाजिक विज्ञान में नैतिक कथाएँ।
- कला में लघुकथा पर चित्र बनाना।
- विज्ञान में लघुकथा के माध्यम से तथ्य।
- सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल लघुकथा।

Assessment (item format)

- लघुकथा की परिभाषा लिखें।
- लघुकथा लेखन का अभ्यास।
- दिए गए विषय पर लघुकथा लिखें।
- लघुकथा के संदेश की पहचान।
- लघुकथा पर MCQ।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- लघुकथा के उदाहरण।
- वर्कशीट्स।
- ब्लैकबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड।
- ऑडियो/वीडियो सामग्री।

Extension/real life applications

- जीवन की घटनाओं पर लघुकथा लिखना।
- सोशल मीडिया पर लघुकथा साझा करना।
- नैतिक शिक्षा के लिए लघुकथा।
- संवाद कौशल का विकास।
- रचनात्मक लेखन में रुचि।

21st century skills/value/vocational

- रचनात्मकता।
- संप्रेषण कौशल।
- आलोचनात्मक सोच।

- टीम वर्क।
- नैतिक शिक्षा।

Post teaching reflection

- विद्यार्थियों ने लघुकथा लेखन में कितनी रुचि दिखाई।
- लघुकथा की संरचना में कठिनाई कहाँ रही।

Planning for remedial teaching

- लघुकथा की परिभाषा दोहराना।
- अतिरिक्त लघुकथा लेखन अभ्यास।
- कमजोर विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन।

Number of periods: 2

24. मेघ आए (कक्षा 9, हिंदी कोर्स-A, NCERT)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्व-निर्मित (self), NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: self – कविता का भाव और प्रतीक

Concept 2: self – वर्षा ऋतु का महत्व

Concept 3: self – प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण

Name of chapter: मेघ आए

Number of periods required: 2

Concepts (based on self)

- कविता में मेघों के आगमन से उत्पन्न हर्ष और उल्लास का चित्रण किया गया है।

- वर्षा ऋतु के आगमन से जीवन में आने वाले बदलावों को कविता में दर्शाया गया है।
- प्रकृति के सौंदर्य और मानवीय भावनाओं के बीच गहरा संबंध स्थापित किया गया है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी कविता का भावार्थ स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों और उपमाओं की पहचान कर सकेंगे।
- कविता के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- कविता के सौंदर्य और भावों का वर्णन कर सकेंगे।
- कविता को पढ़कर अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का सस्वर वाचन एवं भावार्थ चर्चा।
- समूह चर्चा द्वारा कविता के प्रतीकों की व्याख्या।
- कविता पर आधारित प्रश्नोत्तर सत्र।
- चित्र/पोस्टर बनाकर कविता का दृश्य प्रस्तुत करना।
- कविता के भावों पर लघु निबंध लेखन।

Integration with other subjects

- **विज्ञान:** वर्षा के वैज्ञानिक कारण।
- **भूगोल:** मानसून और जलवायु परिवर्तन।
- **कला:** वर्षा ऋतु का चित्रांकन।
- **संगीत:** वर्षा ऋतु पर आधारित गीत।
- **पर्यावरण:** जल संरक्षण का महत्व।

Assessment (item format)

- कविता की पंक्तियों का अर्थ लिखें।
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों की सूची बनाएं।
- कविता का संक्षिप्त सारांश लिखें।
- कविता से संबंधित लघु उत्तर प्रश्न।
- कविता के भावों पर आधारित निबंध लेखन।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- कविता का ऑडियो/वीडियो।
- स्मार्ट बोर्ड/ब्लैकबोर्ड।
- रंगीन चार्ट और चित्र।
- कविता की लाइनें फ्लैश कार्ड्स पर।

Extension/real life applications

- वर्षा ऋतु के आगमन पर अपने अनुभव साझा करना।
- जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा।
- प्राकृतिक सौंदर्य को महसूस करना और व्यक्त करना।
- कविता के भावों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करना।
- कविता से प्रेरित होकर अपनी कविता लिखना।

21st century skills, value education, vocational skills

- रचनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास।
- टीम वर्क और सहयोग की भावना।
- संवाद और प्रस्तुति कौशल।

- पर्यावरण के प्रति जागरूकता।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने कविता के भावों को आत्मसात किया।
- कविता के प्रतीकों को समझने में विद्यार्थियों को किन बिंदुओं पर कठिनाई हुई।

Planning for remedial teaching

- कविता के कठिन शब्दों का अर्थ समझाना।
- कविता के भावार्थ को सरल भाषा में समझाना।
- कविता के प्रतीकों और उपमाओं की पुनरावृत्ति कराना।

Number of periods: 2

25. ई-मेल लेखन (कक्षा 9, हिंदी कोर्स-A, NCERT)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्व-निर्मित (self), NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: self – ई-मेल लेखन का प्रारूप

Concept 2: self – औपचारिक और अनौपचारिक ई-मेल

Concept 3: self – भाषा की शुद्धता और संक्षिप्तता

Name of chapter: ई-मेल लेखन

Number of periods required: 2

Concepts (based on self)

- ई-मेल लेखन में विषय, अभिवादन, मुख्य संदेश और समापन का सही क्रम होता है।

- औपचारिक और अनौपचारिक ई-मेल में भाषा और शैली का अंतर होता है।
- ई-मेल में संक्षिप्त, स्पष्ट और शुद्ध भाषा का प्रयोग आवश्यक है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी ई-मेल लेखन का सही प्रारूप समझ सकेंगे।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक ई-मेल लिख सकेंगे।
- ई-मेल में आवश्यक जानकारी को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- ई-मेल लेखन में शुद्ध भाषा का प्रयोग कर सकेंगे।
- ई-मेल लेखन के व्यावहारिक महत्व को समझ सकेंगे।

Pedagogical strategies

- ई-मेल लेखन का प्रारूप बोर्ड पर समझाना।
- उदाहरण के रूप में एक औपचारिक और एक अनौपचारिक ई-मेल लिखवाना।
- विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर ई-मेल लिखवाना।
- समूह में चर्चा कराकर ई-मेल की त्रुटियों को सुधारना।
- ई-मेल लेखन की गतिविधि के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग।

Integration with other subjects

- **अंग्रेज़ी:** ई-मेल लेखन का तुलनात्मक अध्ययन।
- **सूचना प्रौद्योगिकी:** ई-मेल भेजने की प्रक्रिया।
- **व्यवसाय अध्ययन:** व्यावसायिक ई-मेल का महत्व।
- **कंप्यूटर:** ई-मेल अकाउंट बनाना।
- **नैतिक शिक्षा:** डिजिटल शिष्टाचार।

Assessment (item format)

- दिए गए विषय पर औपचारिक ई-मेल लिखें।
- अनौपचारिक ई-मेल का उदाहरण दें।
- ई-मेल लेखन में त्रुटियाँ पहचानें।
- ई-मेल का प्रारूप सही क्रम में लिखें।
- ई-मेल के मुख्य अंशों की सूची बनाएं।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- कंप्यूटर/लैपटॉप।
- प्रोजेक्टर।
- ई-मेल लेखन के उदाहरण।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में ई-मेल का प्रयोग।
- शैक्षिक या व्यावसायिक ई-मेल लिखना।
- डिजिटल संवाद कौशल का विकास।
- ई-मेल के माध्यम से सूचना साझा करना।
- ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना।

21st century skills, value education, vocational skills

- डिजिटल साक्षरता।
- संचार कौशल।
- समय प्रबंधन।

- पेशेवर शिष्टाचार।
- समस्या समाधान क्षमता।

Post teaching reflection

- कितने विद्यार्थियों ने सही प्रारूप में ई-मेल लिखा।
- औपचारिक और अनौपचारिक ई-मेल में अंतर समझने में कठिनाई।

Planning for remedial teaching

- ई-मेल प्रारूप की पुनरावृत्ति।
- भाषा की अशुद्धियों को सुधारना।
- विषय के अनुसार उपयुक्त शब्दावली का चयन।

Number of periods: 2

26. संवाद लेखन (कक्षा 9, हिंदी कोर्स-A, NCERT)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्व-निर्मित (self), NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: self – संवाद लेखन का महत्व

Concept 2: self – संवाद लेखन की भाषा

Concept 3: self – संवाद लेखन की संरचना

Name of chapter: संवाद लेखन

Number of periods required: 2

Concepts (based on self)

- संवाद लेखन में पात्रों के अनुसार भाषा और शैली का चयन करना आवश्यक है।

- संवाद संक्षिप्त, स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए।
- संवाद लेखन में घटनाओं की तार्किकता और प्रवाह बनाए रखना जरूरी है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी संवाद लेखन का प्रारूप समझ सकेंगे।
- विभिन्न परिस्थितियों में संवाद लिख सकेंगे।
- संवाद में भाषा की शुद्धता और उपयुक्तता का ध्यान रख सकेंगे।
- संवाद लेखन के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल विकसित कर सकेंगे।
- संवाद लेखन के व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।

Pedagogical strategies

- संवाद लेखन के उदाहरण प्रस्तुत करना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर संवाद लिखवाना।
- समूह में संवाद का मंचन कराना।
- संवाद लेखन में त्रुटियों की पहचान और सुधार।
- संवाद लेखन की गतिविधि के लिए रोल-प्ले।

Integration with other subjects

- **अंग्रेज़ी:** संवाद लेखन का तुलनात्मक अध्ययन।
- **नाटक:** संवाद का मंचन।
- **कला:** संवाद आधारित चित्रांकन।
- **सामाजिक विज्ञान:** सामाजिक मुद्दों पर संवाद।
- **मीडिया अध्ययन:** संवाद लेखन का महत्व।

Assessment (item format)

- दिए गए विषय पर संवाद लिखें।
- संवाद लेखन में त्रुटियाँ पहचानें।
- संवाद का प्रारूप सही क्रम में लिखें।
- संवाद के मुख्य अंशों की सूची बनाएं।
- संवाद का मंचन करें।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- संवाद लेखन के उदाहरण।
- स्मार्ट बोर्ड।
- रोल-प्ले सामग्री।
- वर्कशीट्स।

Extension/real life applications

- दैनिक जीवन में संवाद का प्रयोग।
- सामाजिक मुद्दों पर संवाद।
- नाट्य मंचन में संवाद लेखन।
- संवाद के माध्यम से समस्या समाधान।
- संवाद लेखन से अभिव्यक्ति कौशल का विकास।

21st century skills, value education, vocational skills

- संवाद कौशल।
- टीम वर्क।
- रचनात्मकता।

- समस्या समाधान।
- आत्मविश्वास का विकास।

Post teaching reflection

- संवाद लेखन में विद्यार्थियों की भागीदारी।
- संवाद की भाषा और प्रवाह में कठिनाई।

Planning for remedial teaching

- संवाद लेखन के प्रारूप की पुनरावृत्ति।
- भाषा की अशुद्धियों को सुधारना।
- संवाद लेखन के लिए उपयुक्त विषयों का चयन।

Number of periods: 2

27. बच्चे काम पर जा रहे हैं (कक्षा 9, हिंदी कोर्स-A, NCERT)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्व-निर्मित (self), NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: self – बाल श्रम की समस्या

Concept 2: self – बच्चों के अधिकार

Concept 3: self – सामाजिक जागरूकता

Name of chapter: बच्चे काम पर जा रहे हैं

Number of periods required: 2

Concepts (based on self)

- बाल श्रम समाज की एक गंभीर समस्या है, जिससे बच्चों का बचपन छिन जाता है।
- बच्चों के शिक्षा और विकास के अधिकार को समझना आवश्यक है।
- समाज में बाल श्रम के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाना जरूरी है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी बाल श्रम की समस्या को समझ सकेंगे।
- बच्चों के अधिकारों के महत्व को जान सकेंगे।
- कविता के भावों को आत्मसात कर सकेंगे।
- समाज में बाल श्रम के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- कविता के माध्यम से सामाजिक जागरूकता विकसित कर सकेंगे।

Pedagogical strategies

- कविता का वाचन और भावार्थ चर्चा।
- बाल श्रम पर समूह चर्चा।
- पोस्टर/चित्र बनाना।
- कविता पर आधारित प्रश्नोत्तर।
- सामाजिक मुद्दों पर लघु निबंध लेखन।

Integration with other subjects

- **सामाजिक विज्ञान:** बाल श्रम के कानूनी पहलू।
- **नैतिक शिक्षा:** बच्चों के अधिकार।
- **कला:** बाल श्रम पर पोस्टर बनाना।
- **अंग्रेज़ी:** बाल श्रम पर निबंध।

- **इतिहास:** बाल श्रम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

Assessment (item format)

- कविता का सारांश लिखें।
- बाल श्रम के कारणों की सूची बनाएं।
- बच्चों के अधिकारों पर लघु उत्तर।
- कविता के भावों पर निबंध।
- बाल श्रम पर पोस्टर बनाएं।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- कविता का ऑडियो/वीडियो।
- पोस्टर बनाने की सामग्री।
- स्मार्ट बोर्ड।
- बाल श्रम पर डॉक्यूमेंट्री।

Extension/real life applications

- समाज में बाल श्रम के प्रति जागरूकता फैलाना।
- बच्चों के अधिकारों की जानकारी देना।
- बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में भागीदारी।
- कविता से प्रेरित होकर सामाजिक कार्य करना।
- बाल श्रम पर स्कूल में नाटक प्रस्तुत करना।

21st century skills, value education, vocational skills

- सामाजिक संवेदनशीलता।

- नेतृत्व क्षमता।
- टीम वर्क।
- नैतिक मूल्य।
- समस्या समाधान कौशल।

Post teaching reflection

- कविता के भावों को आत्मसात करने में विद्यार्थियों की भागीदारी।
- बाल श्रम के विषय को समझने में कठिनाई।

Planning for remedial teaching

- कविता के कठिन शब्दों का अर्थ समझाना।
- बाल श्रम के कानूनी पक्षों की पुनरावृत्ति।
- बच्चों के अधिकारों की चर्चा।

Number of periods: 2

28. सूचना लेखन (कक्षा 9, हिंदी कोर्स-A, NCERT)

Name of teacher: [शिक्षक का नाम]

Designation: हिंदी शिक्षक

Class: 9

Subject: हिंदी कोर्स-A

Source of lesson plan: स्व-निर्मित (self), NCERT पाठ्यपुस्तक

Concept 1: self – सूचना लेखन का प्रारूप

Concept 2: self – भाषा की संक्षिप्तता

Concept 3: self – सूचना की स्पष्टता

Name of chapter: सूचना लेखन

Number of periods required: 2

Concepts (based on self)

- सूचना लेखन में विषय, तिथि, समय, स्थान आदि का स्पष्ट उल्लेख आवश्यक है।
- सूचना संक्षिप्त, स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण होनी चाहिए।
- सूचना लेखन में औपचारिक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

Learning outcomes (NCERT)

- विद्यार्थी सूचना लेखन का सही प्रारूप समझ सकेंगे।
- विभिन्न विषयों पर सूचना लिख सकेंगे।
- सूचना में आवश्यक जानकारी को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- सूचना लेखन में भाषा की शुद्धता का ध्यान रख सकेंगे।
- सूचना लेखन के व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।

Pedagogical strategies

- सूचना लेखन का प्रारूप बोर्ड पर समझाना।
- उदाहरण के रूप में सूचना लिखवाना।
- विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर सूचना लिखवाना।
- सूचना लेखन की त्रुटियों को पहचानना और सुधारना।
- सूचना लेखन की गतिविधि के लिए वर्कशीट्स का प्रयोग।

Integration with other subjects

- **अंग्रेज़ी:** सूचना लेखन का तुलनात्मक अध्ययन।
- **सूचना प्रौद्योगिकी:** सूचना का डिजिटलीकरण।
- **व्यवसाय अध्ययन:** व्यावसायिक सूचना।
- **कंप्यूटर:** सूचना प्रसारण के माध्यम।

- **नैतिक शिक्षा:** सूचना की सत्यता और जिम्मेदारी।

Assessment (item format)

- दिए गए विषय पर सूचना लिखें।
- सूचना लेखन में त्रुटियाँ पहचानें।
- सूचना का प्रारूप सही क्रम में लिखें।
- सूचना के मुख्य अंशों की सूची बनाएं।
- सूचना लेखन का मौखिक अभ्यास।

Resources /digital/ physical

- एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- सूचना लेखन के उदाहरण।
- स्मार्ट बोर्ड।
- सूचना लेखन के लिए वर्कशीट्स।
- प्रोजेक्टर।

Extension/real life applications

- विद्यालय में सूचना बोर्ड पर सूचना लिखना।
- दैनिक जीवन में सूचना का प्रयोग।
- सूचना के माध्यम से संवाद कौशल का विकास।
- सूचना के माध्यम से कार्यक्रमों की जानकारी देना।
- सूचना लेखन से समय प्रबंधन का अभ्यास।

21st century skills, value education, vocational skills

- संचार कौशल।

- डिजिटल साक्षरता।
- समय प्रबंधन।
- जिम्मेदारी।
- समस्या समाधान क्षमता।

Post teaching reflection

- सूचना लेखन के प्रारूप को समझने में विद्यार्थियों की भागीदारी।
- सूचना की संक्षिप्तता और स्पष्टता में कठिनाई।

Planning for remedial teaching

- सूचना लेखन के प्रारूप की पुनरावृत्ति।
- भाषा की अशुद्धियों को सुधारना।
- सूचना लेखन के लिए उपयुक्त विषयों का चयन।

Number of periods: 2